भारतीय संविधानाच्या अनुच्छेद २७५(१) अंतर्गत सन २०१६-१७ करीता मंजूर "Integrated Agriculture Development Programme and allied (animal husbandry, fisheries, dairy development etc.) activities for IFR and CFR beneficiaries under FRA २००६" या कार्यक्रमांतर्गत वनपट्टे प्राप्त असणाऱ्या आदिवासी शेतकऱ्यांना शेतीस पूरक व्यवसाय शेळीगट पुरविणे या प्रकल्पाच्या मार्गदर्शक तत्वांना मान्यता देणेबाबत.

## महाराष्ट्र शासन आदिवासी विकास विभाग शासन निर्णय क्रमांकः केंद्रीय-२०२१/प्र.क्र. ४३ /का-१९

मंत्रालय, मुंबई ४०००३२ तारीख: २६/०७/२०२२

### संदर्भ-

- **१.** समक्रमांकित शासन निर्णय दि.२६.०८.२०२१
- २. कृषी व पदुम विभाग शासन निर्णय क्र. पविआ-१०२०/प्र.क्र.११०/पदुम-३ दिनांक २५.५.२०२१
- **३.** आयुक्त, आदिवासी विकास यांचे पत्र क्रमांक भासंअ२०१८/प्रक्र.०३/का.०८ दिनांक २२.११.२०२१

#### प्रस्तावना -

आदिवासी बांधवांची उपजीविका पावसावर आधारित शेती असल्यामुळे प्रत्येक वर्षी शेतीच्या माध्यमातून निश्चित उत्पन्न मिळेल याची हमी नसते यामुळे ते स्थलांतर करतात. शेतीबरोबरच शेतीशी निगडीत बकरीपालन हा जोडधंदा केल्यास त्यांना निश्चित उत्पन्नाची हमी मिळू शकेल व पर्यायाने त्यांचे स्थलांतर थांबेल ह्या उद्देशाने वनहक्क कायदा २००६ अंतर्गत वनपट्टे प्राप्त असणाऱ्या आदिवासी शेतकऱ्यांना १० शेळी व १ बोकड पुरविणे बाबत संदर्भ १ येथील शासन निर्णयान्वये मार्गदर्शक सुचनांना मान्यता देणेत आली आहे. तथापि, संदर्भ २ येथील शासन निर्णयान्वये शेळ्या व बोकड खरेदी किंमतीमध्ये सुधारणा करणेत आल्याने त्यानुसार संदर्भ १ मध्ये मंजुर शेळी व बोकड खरेदी किंमती सुसंगत करुन देण्याची विनंती आयुक्त, आदिवासी विकास नाशिक यांनी संदर्भ क.३ येथील पत्रान्वये केली आहे. सदर मागणीच्या अनुषंगाने संदर्भ १ येथील शासन निर्णय अधिक्रमित करुन त्याएवजी वनपट्टे प्राप्त असणाऱ्या आदिवासी शेतकऱ्यांना शेतीस पूरक व्यवसाय शेळीगट पुरविणे या प्रकल्पाच्या सुधारित मार्गदर्शक सुचनांना मान्यता देण्याची बाब शासनाच्या विचारधीन होती.

### शासन निर्णय -

बकरीपालनच्या माध्यमातून वनहक्क कायदा २००६ अंतर्गत वनपट्टे प्राप्त असणाऱ्या आदिवासी शेतकऱ्यांचे उत्पन्न वाढून त्यांना निश्चित उत्पन्न मिळवुन देणे, व त्यांचे स्थलांतर कमी करणेकरिता भारतीय संविधानाच्या अनुच्छेद २७५(१) अंतर्गत सन २०१६-१७ करीता मंजूर "Integrated Agriculture Development Programme and allied (animal husbandry, fisheries, dairy development etc.) activities for IFR and CFR beneficiaries under FRA २००६" या कार्यक्रमांतर्गत वनपट्टे प्राप्त असणाऱ्या आदिवासी शेतकऱ्यांना शेतीस पूरक व्यवसाय शेळीगट पुरविणे या रु.१५००.०० लक्ष किंमतीच्या प्रकल्पाच्या मार्गदर्शक सुचनांबाबत दिनांक २६.०८.२०२१ रोजी निर्गमित करणेत आलेला शासन निर्णय त्यासोबतच्या परिशिष्ट १ सहित अधिक्रमित करणेत येत आहे. त्याएवजी सदर योजनेच्या अंमलबजावणीच्या सुधारित मार्गदर्शक सूचनांना या निर्णयाद्वारे सोबत जोडलेल्या परिशिष्ट क्रमांक १ नुसार मंजूरी प्रदान करण्यात येत आहे.

- २. सदर मार्गदर्शक सूचनांनुसार वितरीत तरतूदींच्या मर्यादेत योजना राबविण्याबाबत त्वरीत कार्यवाही आयुक्त, आदिवासी विकास, नाशिक यांनी करावी व त्याचे उपयोगिता प्रमाणपत्र आर्थिक व भौतिक अहवालासह शासनास सादर करण्याची दक्षता घ्यावी.
- ३. हा शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संकेताक २०२२०७२६१२५८४३५०२४ असा आहे. हा आदेश डिजीटल स्वाक्षरीने साक्षांकित करुन काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने.

# (प्रकाश वि. वाजे) कार्यासन अधिकारी, महाराष्ट्र शासन

#### प्रत-

- १. मा.मंत्री आदिवासी विकास, महाराष्ट्र राज्य, यांचे खाजगी सचिव ,मंत्रालय,मुंबई
- २. मा.राज्यमंत्री आदिवासी विकास, महाराष्ट्र राज्य, यांचे खाजगी सचिव, मंत्रालय, मुंबई
- ३. प्रधान सचिव, आदिवासी विकास विभाग यांचे स्वीय सहायक, मंत्रालय, मुंबई
- ४. सचिव, पशुसंवर्धन, कृषि व पदुम विभाग, मंत्रालय, मुंबई
- ५. आयुक्त,आदिवासी विकास,महाराष्ट्र राज्य,नाशिक.
- ६. आयुक्त, पशुसंवर्धन, पुणे
- ७. सहसचिव/उपसचिव, आदिवासी विकास विभाग, मंत्रालय, मुंबई.
- ८. सर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिल्हा परिषद
- ९. सर्व अपर आयुक्त, आदिवासी विकास.
- १०. सर्व प्रकल्प अधिकारी, एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प.
- ११. निवड नस्ती (का. १९) आदिवासी विकास विभाग, मंत्रालय, मुंबई

परिशिष्ट -9 सन २०१६-१७ मधील भारतीय संविधानाच्या अनुच्छेद २७५(१) अंतर्गत मंजूर योजना

| 9   | योजनेचे नांव                        | • वनहक्क कायद्याद्वारे जिमनी प्राप्त झालेल्या आदिवासी शेतकऱ्यांना<br>शेळी गटाचा पुरवठा करणे (१० शेळ्या व १ बोकड)   |
|-----|-------------------------------------|--|
| 2   | योजनेचा हेतू /<br>उद्देश            | • आदिवासी समुदायातील लोक हे प्रामुख्याने दुर्गम भागात राहत असल्याने त्यांच्याकडील जमीन उंचसखल, डोंगराळ हलक्या प्रतीची खडकाळ स्वरुपाची असते, त्या जमीनीत येणारे उत्पन्नाचे प्रमाण हे कमी असते, योग्य प्रमाणात पाऊस न झाल्यास त्यांच्या उत्पन्नावर त्याचा मोठा परिणाम होतो. परिणामी त्यांना रोजगाराच्या शोधात कुंटूबासह स्थलांतर करावे लागते. सदर योजनेअंतर्गत शेतीस पुरक व्यवसाय म्हणून पुशपालन व्यवसायासाठी दहा शेळया व एक बोकड पुरविल्यास शेतकऱ्यांच्या कुटुंबास आर्थिक फायदा होईल व त्यांचे होणारे स्थालांतराचे प्रमाण काही अंशी कमी होऊन त्यांचे जीवनमान उंचावेल हाच या योजनेचा उद्देश आहे. सदरची योजना हि आदिवासी महिला बचत गटांसाठी राबविण्याचे नियोजन आहे. |
| 3   | मंजुर निधी                          | <ul> <li>सन २०१६-१७ मध्ये "Integrated Agriculture Development<br/>Programme and allied (animal husbandry, fisheries, dairy<br/>development etc.) activities for IFR and CFR beneficiaries<br/>under FRA २००६" कार्यक्रमांतर्गत मंजुर रु १५००.०० लक्ष</li> </ul>  |
| 8   | योजनेतील लाभार्थी<br>/ युनिट संख्या | <ul> <li>एकुण लाभार्थी १४४८.</li> <li>आयुक्त, आदिवासी विकास महाराष्ट्र राज्य नाशिक यांचे स्तरावरुन<br/>प्रकल्प अधिकारी, एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प यांना लक्षांक<br/>निश्चित करुन देण्यात येईल.</li> </ul>   |
| 4   | योजना कालावधी                       | • कार्यारंभ आदेश दिल्यापासुन १ वर्ष  |
| દ્દ | अंमलबजावणी<br>अधिकारी               | <ul> <li>पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी महाराष्ट्र मेंढी व शेळी महामंडळ,<br/>गोखलेनगर, पुणे / प्रकल्प अधिकारी, एकात्मिक आदिवासी विकास<br/>प्रकल्प</li> </ul>   |
| (9  | प्रकल्प राबविणारी<br>यंत्रणा        | <ul> <li>प्रकल्प अधिकारी / पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी महाराष्ट्र मेंढी व शेळी<br/>महामंडळ, गोखलेनगर, पुणे.</li> </ul>  |
| ۷   | नियंत्रक अधिकारी                    | • आयुक्त, आदिवासी विकास  |
| 9   | योजनेसाठी<br>येणाऱ्या खर्चाचे       | • शेळीपालनाकरिता प्रति युनिट खर्चाचे सविस्तर अंदाजपत्रक<br>पुढीलप्रमाणे आहे.   |

|    | सविस्तर     | <b></b>  | तपशिल          | दर                                | <u> १० शेळया / १</u>      |                 |
|----|-------------|--|----------------|-----------------------------------|---------------------------|-----------------|
|    | अंदाजपत्रक  |  |                |                                   | बोकड रक्कम (रु.)          |                 |
|    |             |  |                |                                   |                           |                 |
|    |             | ٩.   | शेळया खरेदी    | रु.८००० /- प्रति शेळी             | ₹.८०,०००/-                |                 |
|    |             |  |                | (उस्मानाबादी/ संगमनेरी            | (१० शेळया)                |                 |
|    |             |  |                | जातीच्या पैदास सक्षम शेळया)       |                           |                 |
|    |             | ₹.   | बोकड खरेदी     | ₹.90,000/-                        | रु.१०,०००/-               |                 |
|    |             |  |                | (१ बोकड) (उस्मानाबादी/            | (१ बोकड)                  |                 |
|    |             |  |                | संगमनेरी जातीचा नर)               |                           |                 |
|    |             | _  |                |                                   |                           |                 |
|    |             | 3  | शेळया व        |                                   | ₹.9३,५४५/-                |                 |
|    |             |  | बोकडाचा /      | १२.७५% (अधिक १८% वस्तु व          | (उस्मानाबादी/<br>संगमनेरी |                 |
|    |             |  | विमा (३        | सेवाकर)                           |                           |                 |
|    |             |  | वर्षासाठी)     |                                   | जातीसाठी)                 |                 |
|    |             | ए  | कुण खर्च :-    |                                   | 9,0३,५४५/-                |                 |
| 90 | योजना       | >  | लाभार्थी महिल  | जा बचत गट निवड पध्दती :-          |                           |                 |
|    | राबविण्याची | >  | आयुक्त, आवि    | रेवासी विकास, नाशिक प्रत्येक      | ,<br>प्रकल्प कार्यालया    | ला              |
|    | कार्यपध्दती |  | लक्षांक उरवुन  | देतील.                            |                           |                 |
|    |             | >  | प्रकल्प अधिक   | गरी जाहिरात देऊन लाभार्थी         | बचत गटाकडन अ              | र्ज             |
|    |             |  | मागवतील.       |                                   | 9                         |                 |
|    |             |  |                | प्रकल्प कार्यालयातुन उपलब्ध व     | करून देणेत गावा           |                 |
|    |             |  | •              | ार आवश्यक कागदपत्रांची यार्द      |                           | ध्य             |
|    |             |  |                |                                   | I AAVA AIIGAIAIA          | щ               |
|    |             |  | 0              | करणेत यावी.                       | -a c _ c _ c              |                 |
|    |             |  |                | । अर्जांची प्रकल्प स्तरीय लाभा    | था निवंड समिताकड्         | <del>ड</del> ुन |
|    |             |  | छाननी करणेत    |                                   |                           |                 |
|    |             | >  | प्रकल्प स्तरीय | / लाभार्थी निवडीची समिती-         |                           |                 |
|    |             |  | • प्रकल्प ३    | अधिकारी - अध्यक्ष                 |                           |                 |
|    |             | <ul> <li>जिल्हा पशु संवर्धन अधिकारी – सदस्य</li> </ul>   |                |                                   |                           |                 |
|    |             |  |                | •                                 |                           |                 |
|    |             | <ul> <li>पशुधन विकास अधिकारी ( विस्तार) – सदस्य</li> <li>सहाय्यक प्रकल्प अधिकारी (विकास)– सदस्य सचिव</li> </ul>  |                |                                   |                           |                 |
|    |             |  | • सहाध्यप      | र प्रकारम आवकारा (विकास)-         | रापरप सावप                |                 |
|    |             | >  | छाननीअंती त    | न्रक्षांकापेक्षा जास्त पात्र अर्ज | असतील तर लॅ।ट             | ऱरी             |
|    |             | पद्धतीने निवड करुन यादी अंतिम करणेत येईल.  |                |                                   |                           |                 |
|    |             | <ul> <li>संबंधित अपर आयुक्त, वरील समितीकडुन अंतिम करणेत आलेल्या</li> </ul>   |                |                                   |                           |                 |
|    |             | याद्या एकत्रितपणे आयुक्त, आदिवासी विकास नाशिक यांना सादर   |                |                                   |                           |                 |
|    |             | करतील.   |                |                                   |                           |                 |
|    |             | करताल.<br>योजनेची अंमलबजावणी प्राधान्याने पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी महाराष्ट्र मेंढी व<br>शेळी महामंडळ यांचेमार्फ़त करणेत यावी. याकरिता खालील कार्यपद्धती |                |                                   |                           | . <b>_</b>      |
|    |             |  |                |                                   |                           |                 |
|    |             |  |                | भाफ़त करणत यावा. याकरित           | ॥ खालाल कायपद्ध           | Ц               |
|    |             | अवलंबि   | ण्यात यावी.    |                                   |                           |                 |
|    |             |  |                |                                   |                           |                 |

- सर्व अपर आयुक्त यांचेकडुन यादी प्राप्त करुन घेऊन आयुक्त, आदिवासी विकास नाशिक अंतिम यादी पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी महाराष्ट्र मेंढी व शेळी महामंडळ यांना सादर करतील.
- आयुक्त, आदिवासी विकास यांचेकडुन यादी प्राप्त झालेनंतर पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी महाराष्ट्र मेंढी व शेळी महामंडळ, गोखलेनगर, पुणे-१६ यांचेकडुन कृषि पदुम विभागाच्या दिनांक २५ मे २०२१ रोजीच्या शासन निर्णयामध्ये योजनेच्या अंमलबजावणीची कार्यपद्धती येथे नमुद केलेनुसार योजनेची अंमलबजावणी करणेत येईल.
- प्रकल्प पूर्ण झाल्यानंतर योजनेच्या पूर्णत्वाचा दाखला व फलनिष्पत्ती अहवाल महामंडळामार्फ़त आयुक्त आदिवासी विकास नाशिक यांना सादर करणेत येईल. आयुक्त, आदिवासी विकास यांच्याकडुन सदर अहवाल व योजनेचे उपयोगिता प्रमाणपत्र तसेच भौतिक व वित्तीय प्रगती अहवाल शासनास सादर करणेत येईल.

(कृषि पदुम विभागाच्या दिनांक २५ मे २०२१ रोजीच्या शासन निर्णयामध्ये १० शेळ्या व १ बोकड यांच्या विम्यासहित एकुण किंमतीच्या ७५ टक्के अनुदान अनुज्ञेय आहे. तथापि या शासन निर्णायानुसार निवड करणेत आलेल्या लाभार्थ्यांना मात्र या परिष्टामधील अ. क्र. ९ येथील नमुद मर्यादेत १०० टक्के अनुदान अनुज्ञेय आहे.)

महामंडळाने उपरोक्त नमुद योजना अंमलबजावणी करणेस नकार दिलेस/ अक्षमता दर्शविलेस योजनेची अंमलबजावणी प्रकल्प अधिकारी यांचेकडुन खालीलप्रमाणे करणेत येईल.

- लाभार्थ्यांकडुन उस्मानाबादी/ संगमनेरी जातीच्या पैदासक्षम शेळया/ बोकडाची खरेदी प्राधान्याने अधिकृत बाजारातुन खरेदी करण्यात येईल.
- योजनेअंतर्गत सदर पशुधनाची खरेदी खुल्या बाजारातुन करतांना लाभार्थ्यांने पसंत केलेल्या पशुधनाची किंमत अनुज्ञेय अनुदानापेक्षा जास्त येत असल्यास फरकाची रक्कम लाभार्थीने स्वतः भरतील
- > शेळी/ बोकड गटाचा पुरवठा केल्यानंतर लाभार्थी महिला बचत गटाने कमीत कमी ३ वर्ष शेळी पालन व्यवसायाचे हमी पत्र देणे आवश्यक आहे.
- लाभार्थी महिला बचत गटाने शेळया विकल्याचे किंवा अन्य प्रकारे योजनेच्या अंमलबजावणीत चुक केल्याचे दिसुन आल्यास अनुदानाची रक्कम वसुल करण्याबाबत विहीत महसुल कार्यध्दतीचा अवलंब केला जाईल.
- योजनेअंतर्गत लाभ दिलेल्या लाभार्थी महिला बचत गटाची यादी संबंधित पशुसंवर्धन विकास अधिकारी ( विस्तार), कार्यक्षेत्रातील पशुवैद्यकिय संस्था व संबंधित ग्रामपंयाचत यांचे स्तरावर उपलब्ध

करुन दयावी पशुसंवर्धन विकास अधिकारी (विस्तार) यांनी तसेच कार्यक्षेत्रातील पशुवैद्यकिय संस्थांनी लाभार्थी महिला बचत गटाची नोंद शेळी गटाच्या तपशिलासह स्वतंत्र नोंदवहीत घ्यावी व तसा पाठपुरावा करावा.

- खरेदी केल्या नंतर शेळ्यांचा विमा उतरवणे बंधनकारक राहील .
- > खरेदी शक्यतो एकाच वेळी करावी .
- लाभार्थी महिला बचत गटाने खाली नमूद बाबींचे पावती व फोटोग्राफ्स यांचे झेरोक्स संबंधित प्रकल्प अधिकारी यांच्याकडे जमा करावे.
  - फोटो ग्राफ्स बाजार समिती खरेदी पावती
  - शेळी व बोकड विमा पावती
  - वाहतूक खर्चाची पावती/प्रमाणपत्र/driver वाहतूक परवाना
  - संबंधित व्यवसाय सुरु ठेवण्याचे हमीपत्र
- बचत गटास मिळालेले शेळी गट (युनिट) विक्री केले जाणार नाही किंवा एकाच लाभ धारक कुटुंबाकडे एका पेक्षा अधिक लाभधारकाचे पशु एकाच ठिकाणी संगोपित केली जाणार नाही याबाबत हमीपत्र. याबाबत प्रकल्प स्तरीय समितीमार्फत खात्री केली जाईल.
- प्रकल्प अधिकारी हे निवड झालेल्या महिला बचत गट यांचे कडून योजनेची अंमलबजावणी योजनेच्या अटी व शर्थी नुसार करण्यास रु. १०० स्टॅम पेपरवर करारनामा करून घेतील.
- आदिवासी विकास निरिक्षक हे प्रकल्प अंमलबजावणीचा त्रैमासिक भौतिक व आर्थिक प्रगती अहवाल प्रकल्प स्तरीय समितीसमोर ठेवतील.
- योजना राबविण्याच्या ठिकाणी विशेष केंद्रिय सहाय्य अंतर्गत मंजूर योजना अशा आशयाचे नामफलक लावणे योजना राबविण्याऱ्या यंत्रणेस बंधनकारक राहील.
- सदर योजना योजनेच्या अटी व शर्तीप्रमाणे राबविणे संबधीत योजना राबविण्याऱ्या यंत्रणेस बंधनकारक राहील.
- योजना राबविण्याची प्रक्रिया सुरु झाल्यापासून योजना राबवून पुर्ण होई पर्यतचे फोटोग्राफ, सी.डी., लाभार्थ्यांचे मनोगत इ. आवश्यक त्या कागदपत्रांसह योजना राबविल्याबाबतचे संपूर्ण तपिशल या अपर आयुक्त, आदिवासी विकास यांचेमार्फत वेळोवेळी आयुक्तालयास सादर करणे प्रकल्प कार्यालयास बंधनकारक राहील.
- योजने बाबतचे सर्व आवश्यक ते दस्तऐवज संबंधित प्रकल्प अधिकारी यांना त्यांचे कार्यालयाचे स्तरावर जतन करतील.
- सदर योजना राबवित असतांना काही तांत्रिक अडचनी निर्माण झाल्यास योजना राबविण्याच्या कार्यपध्दतीत तसेच लक्षांकात बदल करावयाचा असल्यास प्रकल्प स्तरीय समितीने तशी शिफारस करुन आयुक्त, यांची मान्यता घेणे बंधनकारक राहील.

|    |                           | <ul> <li>संबंधित प्रकल्प अधिकारी, प्रकल्प पूर्ण झाल्यानंतर पूर्णत्वाचा दाखला व फलनिष्पत्ती अहवाल अपर आयुक्त आदिवासी विकासमार्फत आयुक्त आदिवासी विकास नािशक यांना सादर करतील.</li> <li>प्रकल्पाची छायाचित्रांसह यशोगाथा तयार करणे तसेच योजने विषयी सर्व मािहती उदा. लाभार्थी यादी, योजना अंमलबजावणीचे फोटो, यशोगाथा, लाभार्थी माहितीचा डेटाबेस इत्यादी अनुषंगीक माहिती आदिवासी विकास विभागाच्या वेबसाईटवर प्रसिध्द करण्याची तसेच सदर माहिती वरिष्ठ कार्यालयास सादर करण्याची जबाबदारी संबंधीत प्रकल्प अधिकारी यांची राहिल.</li> <li>योजना राबविताना तांत्रिक /प्रशासकीय अडचणी आल्यास लक्षांक बदलणे /कमी जादा करणे /लक्षांक वर्ग करणे या बाबतचे अधिकार आयुक्त, आदिवासी विकास, नािशक यांना राहील.</li> </ul>  |
|----|---------------------------|---|
| 99 | निधी वितरण<br>कार्यपद्धती | <ul> <li>एकूण मंजूर निधी - रु १५००.०० लक्ष</li> <li>आयुक्त, आदिवासी विकास यांच्याकडुन महामंडळास सादर केलेल्या अंतिम लाभार्थी यादीच्या प्रमाणात महामंडळास ८०% निधी वर्ग करतील.</li> <li>महामंडळ यांनी योजनेच्या अटी शर्तीनुसार लाभार्थी महिला बचत गटास शेळी/ बोकडचा पुरवटा करुन छायाचित्रसह अहवाल, शेळी/ बोकड वाटपाची बचत गट निहाय पोच पावती, फलनिष्पतीबाबत अहवाल व उपयोगिता प्रमाणपत्र सादर केल्यानंतर प्रकल्प स्तरीय समितीच्या प्रगती अहवालानुसार उर्वरित २० टक्के रक्कम महामंडळ यांना वर्ग करण्याबाबत आयुक्त, आदिवासी विकास, नाशिक हे कार्यवाही करतील.</li> <li>योजनेची अंमलबजावणी प्रकल्प अधिकारी, एकात्मिक आदिवसी विकास प्रकल्प कार्यालय यांचेमार्फ़त झालेस संबंधित कार्यालयाला आयुक्त, आदिवासी विकास मंजुर लाभार्थी संख्येच्या ८० टक्के रक्कम अदा करतील. योजनेच्या अटी शर्तीनुसार लाभार्थी महिला बचत गटास शेळी/ बोकडचा पुरवटा करुन छायाचित्रसह अहवाल, शेळी/ बोकड वाटपाची बचत गट निहाय पोच पावती, फलनिष्पतीबाबत अहवाल व उपयोगिता प्रमाणपत्र सादर केल्यानंतर प्रकल्प स्तरीय समितीच्या प्रगती अहवालानुसार उर्वरित २० टक्के रक्कम अदा करणेत येईल.</li> </ul> |
| 92 | योजनेच्या अटी व<br>शर्थी  | <ul> <li>अनुसुचित जमातीचा लाभार्थी वा वनप्पटेधारक शेतकरी असावा.</li> <li>वनप्पटेधारक शेतकयाकडे वनपट्टा प्राप्त झाल्याचे प्रमाणपत्र असावे.</li> <li>शेळ्यांना पिण्याच्या पाण्याची उपलब्धता असल्याचा पुरावा.</li> <li>वनपटेधारक शेतकयाने अथवा त्यांच्या कुटूबातील इतर सदस्यानी सदर योजनेचा लाभ यापूर्वी आदिवासी विकास विभाग अथवा इतर कोणत्याही शासिकय विभागाकडून घेतला लाभ घेतलेला नाही याबाबत हमीपत्र आवश्यक आहे.</li> </ul>   |

| 93 | योजनेचे सनियंत्रण<br>व मुल्यमापन,<br>पर्यवेक्षण | <ul> <li>योजनेचे संनियंत्रण व मुल्यमापनासाठी आयुक्त, आदिवासी विकास यांच्या स्तरावर खालीलप्रमाणे समिती स्थापण करणेत येईल.</li> <li>आयुक्त, आदिवासी विकास, नाशिक- अध्यक्ष</li> <li>संबंधित अपर आयुक्त, आदिवासी विकास - सदस्य</li> <li>प्रकल्प अधिकारी, ए.आ. वि. प्रकल्प - सदस्य</li> <li>आयुक्त,पशुसंवर्धन यांचे प्रतिनिधी - सदस्य</li> <li>पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी महाराष्ट्र मेंढी व शेळी महामंडळ,- सदस्य</li> <li>सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास आयुक्तालय - सदस्य सचिव</li> </ul> |
|----|---|---|
| 98 | योजनेची<br>फलनिष्पत्ती                          | <ul> <li>योजनेअंतर्गत येणाऱ्या अडीअडचणी सोडविण्याचे अधिकार समितीस राहतील.</li> <li>सदर समितीची दर ३ महिन्यातुन एक बैठक आयोजित करणेत येईल.</li> <li>योजना पुर्ण झाल्यानंतर परिपुर्ण प्रगती अहवाल आयुक्त, आदिवासी विकास, नाशिक शासनास सादर करतील.</li> <li>वनहक्क कायद्या अंतर्गत प्राप्त जिमनी असणाऱ्या १४३४ आदिवासी लाभार्थी कुटुंबांस प्रस्तुत योजनेद्वारे आर्थिक फायदा होईल व त्यांचे होणारे स्थलांतराचे प्रमाण काही अंशी कमी होऊन त्यांचे जीवनमान उंचावेल.</li> </ul>        |